



e-Sampark

IIT ROORKEE ALUMNI ASSOCIATION
Lucknow Chapter

FEBRUARY 2019
VOLUME 1, ISSUE 4

Message from President



Dear Fellow Alumni,
On 16th December, 2018 Annual function of Lucknow Chapter was held with all the possible colors, zeal and enthusiasm of all the executive members and their families.

The Program was conducted in two sessions – First a technical one in, which a panel discussion on “Environmental Hazards – Impact on Human Health was held. Our panelists were Padmashree Dr. Anil Prakash Joshi from Dehradun, Prof. Dhruvsen Singh, Lucknow University and Dr. P.K. Srivastava, Ex. Dy. Director CDRI Lucknow.

All the three panelists are renowned environmentalists and are contributing towards betterment of environment through their knowledge and researches etc.

This was followed by felicitating Diamond, Golden, Ruby and Silver Jubilee batches alumni of Lucknow chapter with a memento. Senior most Alumni of the day Er. Jag Mohan Lal (1948), was honored as a Chief guest & Vikas Goel, Honorable secretary of IIT Roorkee Alumni Association (Central Body) was honored as special Guest. A souvenir was also released, containing articles and a directory of Lucknow chapter.

Evening session of annual day comprised of a bunch of various type of cultural programs, in which group folk dances of many states, individual folk dances, songs, instrumental music, were held and a traditional quawwali on campus life of IIT Roorkee was also an attraction of the cultural evening.

The Program of both the session were very well attended by alumni and their families by their strength ever maximum so far.

I sincerely express my gratitude to all the executive members, who in spite of their busy schedule of work, contributed whole heartedly day and night and making it a grand event and most successful program.

I am also thankful to Er. K.K. Agarwal, Chief Editor and his team for printing and bringing out the souvenir, Er. Ajay Srivastava, Cultural Secretary for his efforts to make cultural evening a memorable event.

My special thanks to Mrs. Indu Sinha, Mrs. Kamal Gupta, Mrs. Anjana Srivastava, Er. Gopal Sinha, Miss. Priyanka and their entire team members for their untiring practices, rehearsals and giving such a beautiful program in the evening, which has created a mile stone for future programs.

At the end I also thank to all the sponsors for their financial support, without which it would have been difficult to conduct the program to such a grand height.

Lastly I thank everybody for extending their support and best wishes for success of the program.

In need of your cooperation and blessings.

Regards,
Harish Chandra (1975)
President. IITRAA. Lucknow Chapter

Annual Function

Annual function of the chapter was celebrated on 16th Dec., 2018 and was well attended by our Alumni and their family members. In the F/N session there were deliberations on “Environmental Hazards and its impact on human health by three eminent personalities viz Padmashree Dr. Anil P. Joshi (popularly known as Mountain man)-Environmentalist, Dr. Dhruv Sen Singh-Professor at Lucknow University and Dr. Pradeep K Srivastava, (former Dy. Director CSIR, Lucknow. Deliberations made by all the three panelists were highly knowledgeable and interesting. All Diamond, Golden, Ruby and Silver Jubilee Alumni were also facilitated.

Evening session was full of cultural performances by our alumni members and their family members and was well attended and enjoyed by all.

Our Distinguished Guest Alumni



Mr. Sumeet Srivastava, an alumnus of 1991 batch of IIT(R), presently working as a Senior Executive in "Facebook" at Seattle USA, was on a short visit to Lucknow in December last. Sumeet is son of Mr. U.N.Srivastava an alumnus of 1962 batch.

Sumeet's visit synchronized with Annual Day celebration of Lucknow chapter on December 16, 2018. He was welcomed as Guest of Honor. He came on stage to tell audience as to how Facebook company was working in India to check the misuse of this social media for political gains. He also made a donation of Rs.50,000/= to RASI for philanthropic work. He was felicitated by Lucknow Chapter.

Lucknow Chapter of IIT (R) conveys sincere thanks to Mr. Sumeet for his generosity and wishes him good luck.

Inside This Issue:

- **Message from Secretary**
- **Brief by our Guest Speaker on Annual Day**
- **संपादक की कलम से**
- **Captured Moments of Alumni on Annual Day**
- **Picnic Glimpses**
- **Glimpses of Cultural Function on Annual Day**

Message from Secretary



Dear Alumni,

It is my proud privilege to hold the post of Secretary of one of the most active IITR Alumni Chapter.

The Lucknow chapter initiated publication of e-Sampark, the first edition of which was published in August 2018 and wassent to all registered members via email. This initiative has given the members the opportunity to share their creative's, views, events with the other alumni members and also be aware of the Chapter activities.

The Teej function was celebrated with great fun and frolic with maximum attendance of the members and their families in September 2018. The highlights of the Annual Day Celebrations are also highlighted in this issue of the e-magazine.

It is my humble request to all to contribute full heartedly to the forthcoming editions of this electronic magazine and also attend all future events organized by the Chapter, which will give us greater encouragement in organizing the events still better with the full support and cooperation from all.

Regards,
Meena Agarwal
M. Tech (comp. Sc. & Tech) 1984
Secretary-IITRAA, Lucknow Chapter
E-mail : meena.03ag@gmail.com

Our Distinguished Guest speakers on Annual Day



डॉक्टर अनिल प्रकाश जोशी "माउंटेन मैन"

डॉक्टर अनिल प्रकाश जोशी जो माउंटेन मैन के नाम से जाने जाते हैं, ने कहा - हिंदुस्तान के लाखों लोगों की तरह मुझे भी पहाड़ों तथा विशेषकर हिमालय से बहुत प्रेम है। मगर आज क्या हम हिमालय को बर्बाद कर रहे हैं? गंगा नदी की अविरलधारा प्रदूषण के कारण धीमी होती जा रही है, तमाम नदियाँ सूख रही हैं, हिमालय पर विकास के नाम पर बढ़ रहे कंक्रीट की इमारतों ने हिमालय को बर्बाद करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

डॉ. जोशी - ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास के लिए गत ३५ वर्षों से कार्य कर रहे हैं उनकी दो बड़ी उपलब्धिया हैं जिसने एक मुहिम का रूप लिया है।

- 1) स्थानीय आवश्यकताओं की पूर्ति स्थानीय स्तर से होना चाहिए।
- 2) पर्यावरण और अर्थव्यवस्था को एक दूसरे का अनुपूरक होना चाहिए।

डॉ. जोशी ने बताया कि हवा व पानी का प्रदूषण इतना बढ़ गया है कि अभी तक हम बंद बोतलों में आर.ओ. जल ढूढ़ते हैं, परन्तु अब बंद डब्बों में उत्तराखंड के पहाड़ों की शुद्ध हवा भी विदेशों में बिकने लगी है। पिछले कुछ समय से बढ़ रहा प्रदूषण किसी भी प्राकृतिक आपदा से कई गुना खतरनाक है।

डॉ. जोशी ने कहा कि अब तो परिंदों ने भी हमसे मुँह मोड़ना शुरू कर दिया है। साइबेरिया सहित तमाम दूर देशों से आने वाले पक्षियों ने भी भारत से किनारा करना शुरू कर दिया है, उनकी संख्या में भी कमी आयी है।

उन्होंने कहा कि पानी की गुणवत्ता को जी.डी.पी. निर्धारित करने वाले फ़ैक्टर में शामिल किया जाना चाहिए अगर हम पीने का एक लीटर साफ़ पानी उपलब्ध नहीं करा सकते तो जी.डी.पी. के तमाम आकड़ों का कोई महत्व नहीं रह जाता।

कुदरत का इशारा साफ़ है, संभल जाइये, नहीं तो समाप्त हो जाइएगा।



डॉ. प्रमोद कुमार श्रीवास्तव

एक नई विधा जिसमें विज्ञान, प्रकृति की विभिन्न संरचनाओं (मॉडल्स) का अध्ययन कर, मानव कल्याण के लिए उपयोगी, प्रकृति की संरचनाओं से प्रेरणा लेकर मानविक समस्याओं का हल ढूढ़ता है जिसे 'Bionics - Learning Science from nature for Human Welfare' के नाम से भी जाना जाता है। डॉ. श्रीवास्तव के अनुसार प्रकृति में ऐसी कोई भी वस्तु नहीं है, जिसे 'अनुपयोगी या बेकार' कहा जा सके। किसी भी पशु अथवा पेड़ - पौधों द्वारा छोड़ा गया अवशेष किसी अन्य जीव का भोजन

बन सकता है। डॉ. श्रीवास्तव ने स्लाइड्स के माध्यम से रोचक उदाहरण भी दिखाए जिसे उन्होंने 'Sciencetoon' का नाम दिया। डॉ. श्रीवास्तव की इस विद्या को श्रोताओं ने रूचि के साथ जाना।

प्रोफेसर ध्रुव सेन सिंह

वर्तमान में लखनऊ विश्वविद्यालय के 'Culture of Advance Study in Geology' में प्रोफेसर हैं।



श्री सिंह आर्कटिक (उत्तरी ध्रुव) पर अनुसन्धान के लिए जाने वाली वर्ष २००७ व २००८ में प्रथम भारतीय के दल में सदस्य रहे हैं। श्री सिंह ने 'जलवायु परिवर्तन' तथा 'ग्लोबल वार्मिंग' जैसी जटिल समस्या पर बड़े ही सरल शब्दों में मानव जीवन पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के विषय में बताया। आपने 'ग्लोबल वार्मिंग' के कारण गंगोत्री ग्लेशियर के पिघलने के विषय में भ्रान्ति दूर करते हुए विस्तार से बताया। ग्लेशियर पिघलना एक सामान्य प्रक्रिया है, परन्तु ग्लेशियर निरंतर बनते भी रहते हैं।

ग्लोबल वार्मिंग से सिर्फ हमारे गर्म के दिन ही प्रभावित नहीं हो रहे हैं बल्कि रातें भी प्रभावित हो रही हैं। इसे हम जलवायु परिवर्तन भी कहते हैं। कभी लगता है कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते सूखा पड़ने लगा है, कहीं कुछ स्थानों पर भयानक अतिवृष्टि भी हो रही है। इन्हीं उलझनों और जटिलताओं के बीच हमें 'ग्लोबल वार्मिंग' से जूझने और आगे बढ़ने का रास्ता खोजना है।

श्री सिंह के विचारों को सभागार में उपस्थित सभी श्रोताओं ने बड़ी उत्सुकता से सुना और इस पर हुई परिचर्चा में भाग भी लिया।



आई. आई.टी. रूडकी अल्यूमनी एसोसिएशन लखनऊ चैप्टर के सभी सदस्यों को नववर्ष की बधाई। कामना करता हूँ कि वर्ष २०१९ आप सबके लिए बहुत शुभ एवं मंगलकारी हो। नववर्ष में आप सब फले फूले एवं समाज एवं देश की एक उपयोगी इकाई बन कर रहें।

जो समय के साथ चलते हैं, समय उनके साथ चलता है। इसका प्रमाण है आपका इ - सम्पर्क। अब हम लखनऊ चैप्टर की गतिविधियों से आप तक सही समय पर पहुंचाने में समर्थ हैं।

इ - सम्पर्क के दूसरे अंक में हमने तीज महोत्सव की रपट प्रस्तुत करने के साथ ही वार्षिकोत्सव २०१९ की तैयारी की सूचना दी थी। १६ दिसंबर को आयोजित वार्षिकोत्सव एवं नये वर्ष में दिनांक २० जनवरी की मनाई गयी पिकनिक का विवरण इस अंक में प्रस्तुत है।

१६ दिसंबर को मनाये गये वार्षिकोत्सव में प्रातः कालीन सत्र में पर्यावरण की आवश्यकताओं पर हुयी परिचर्चा एक अत्यंत ही जनोपयोगी एवं रोचक गतिविधियाँ रही।

इस अवसर पर प्रकाशित स्मारिका में हमने जुबली बैच के सदस्यों के बायोडाटा के साथ ही पूरे लखनऊ चैप्टर की एक डाइरेक्टरी भी प्रकाशित की है। इस प्रकार यह स्मारिका एक उपयोगी दस्तावेज बन गई है। कुछ लोगों ने सुझाव दिया है कि सदस्यों की इस डाइरेक्टरी को अलग से छापा जाये। आप इस पर हमें अपने मत से अवगत करायें ताकि इस पर निर्णय लिया जा सके।

अंत में सभी को एक बार पुनः नववर्ष की सुभकामनाओं सहित।

आपका के के अग्रवाल



'Picnic Glimpses'
on 20th Jan., 2019 at Pt.
Deen Dayal Upadhyay
Park



Splendid Glimpses of Annual Function Cultural Event Dec. 16, 2018

